Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–130

B.A. (Part–III) DUE Ist Year Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper - II

(कथा साहित्य)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. (i) उपन्यास 'एक जमी़न अपनी' का मूल कथ्य क्या है ?

   (ii) चित्रा मुद्गल द्वारा लिखित तीन उपन्यासों के नाम लिखिए।

(iii) 'गलत होता पंचतंत्र' कहानी किस मनोभाव पर आधारित है ?

(iv) कहानी 'पानी के सात रंग' के पात्रों के नाम बताइये।

(v) 'घिसटता कंबल' कहानी के अनुसार जीवन की वास्तविकता क्या है ?

(vi) "जीवन भी तो दाल के समान है।" कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(vii) गुलाबचंद बिस्वा की आकांक्षा क्या थी ?

(viii) कहानी 'फाँसी' के कहानीकार कौन हैं ?

(ix) 'स्मृतियों में व्यक्त पिता' में व्यक्त मुख्य विचार क्या है ?

(x) 'रेत की कोख में' कहानी का मूल भाव लिखिए।

खण्ड–ब प्रत्येक 8

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या **200** शब्दों में कीजिए :

2. 'कल देखते नहीं यह रेखम से कढ़ा हुआ सालू।' लड़की भाग गई। लड़के ने घर की राह ली। रास्ते में एक लड़के को मोरी में ढकेल दिया, एक छाबड़ी वाले की दिनभर की कमाई खोई, एक कुत्ते को पत्थर मारा और एक गोभी वाले ठेले में दूध उंडेल दिया। सामने नहाकर आती हुई किसी वैष्णवी से टकराकर अंधे की उपाधि पाई। तब कहीं घर पहुँचा।

3. तब इसको लेकर मुझे घर बारी बनना पड़ेगा क्या ? दुर्भाग्य! जिसे मैंने कभी सोचा भी ना था। मेरी इतनी माया-ममता जिस पर, आज तक केवल बोतल का ही पूरा अधिकार था—इसका पक्ष क्यों नहीं लेने लगी ? इस छोटे-से पाजी ने मेरे जीवन के लिए कौनसा इंद्रजाल रचने का बीड़ा उठाया है ? तब क्या करूँ ? कोई काम करूँ ? कैसे दोनों का पेट चलेगा। नहीं, भगा दूँगा इसे—आँख तो खोले!

4. ''आहा! कैसी सुगंधी है ? अब मुझे कौन पूछता है ? जब रोटियों ही के लाले पड़े हैं तब ऐसे भाग्य कहाँ कि भरपूर पूड़ियाँ मिले ?''

यह विचारकर उन्हें रोना आया, कलेजे में हूक-सी उठने लगी परन्तु रूपा के भय से उन्होंने मौन धारण कर लिया।

5. जानवरों में तो सहज ज्ञान होता है खाद्य-अखाद्य का, नहीं तो बचते कैसे ? सब जानवरों में होता है और बिल्ली तो जानवरों में सबसे सहज ज्ञान के सहारे जीने वाली है, तभी तो कुत्ते की तरह पतली नहीं . ..... बिल्ली जो खाले वह सर्वथा खाद्य है। यों बिल्ली सड़ी मछली खा ले जिसे इंसान न खाये .....।

6. माँ हड़बड़ाकर उठ बैठी। सामने खड़े इतने लोगों को देखकर ऐसी घबड़ाई कि कुछ कहते ना बना। झट से पल्ला सिर पर रखती हुई खड़ी हो गई और जमीन को देखने लगी। उनके पांव लड़खड़ाने लगे और हाथों की उंगलियाँ थर-थर काँपने लगी। माँ, तुम जाकर सो जाओ, तुम क्यों इतनी देर जाग रही थीं—और खिसिआई हुई नजरों से शामनाथ चीफ़ के मुँह की ओर देखने लगे।

7. ''पक्की खबर नहीं मगर उड़ते-उड़ते पता लगा है कि एक आदमी गाड़ी के नीचे कटकर मर गया .....।''

''ओह! फिर गाड़ी और लेट हो सकती है।''

''आदमी मरा है टक्कर थोड़े ही हुई है।''

किसी ने कहा तो सुनकर रोएं खड़े हो गये। एक सिहरन-सी कौंधी देह में। तत्काल हट दी वहाँ से। कितनी विचित्र बात है! दारुण सत्य! आदमी के लिए, आदमी की मौत एक खबर-भर है। सामान्य! महत्त्वपूर्ण है, गाड़ी का विलंब होना! चिंता का विषय है गाड़ी का देर से पहुँचना।

8. ''यही कि ..... तुम मुझे इस काबिल नहीं समझतीं कि मैं तुमसे कुछ शेयर कर सकता हूँ, बाँट सकती हूँ ..... परेशानियों के अपने भीतर ताला बंद रखने का शौक है तुम्हें ..... कोई नहीं जान सकता, मैं भी नहीं ? ..... हालांकि जानने में विशेष दिलचस्पी नहीं है मुझे, जितनी सामने हो, काफी है मगर अंकु ! तुम्हारे ये ताले तुम्हारे लिए ही ज़ख्म की शक्ल अख़्तियार करते जा रहे हैं और तुम अपनी ही टीसों में घुल रही हो ..... टूट रही हो ..... बड़ा ही अपच दर्शन है तुम्हारा .....।''

खण्ड–स

प्रत्येक 20

9. 'एक जमीन अपनी' के आधार पर कथा-नायिका के चारित्रिक गुण और अवगुण पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

10. चित्रा मुद्गल द्वारा लिखित उपन्यास एक जमीन अपनी की कथावस्तु को सोदाहरण समझाकर लिखिए।

11. 'स्नेह बंध' कहानी के आधार पर मीता का चरित्र-चित्रण कीजिए।

12. कहानी 'अकेली' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालते हुए, इसके नामकरण के औचित्य को समझाकर लिखिए।